सोशल मिडिया के माध्यम से जुड़कर देखे सेवा
1.जोधपुर शाखा वाट्सएप्प ग्रुप-8696946646
2.नागौर गौशाला वाट्सएप्प ग्रुप-9549272222
3.कामधेनु सेना वाट्सएप्प ग्रुप-9982274444
Facebook-विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर, Kamdhenu Sena, Twitter-@jodhpurgaushala, Instagram-Jodhpurgaushala से जुड़कर हमारी प्रतिदिन की सेवा भी आप देख सकते है।

www.gaulokmahatirth.com

भारत सरकार द्वारा पंजीकृत
R.N.I. No. RAJHIN/2014/56670
Postal Reg No. NGR/080 /2021-23

कामधेनु दर्शन

वर्ष-10 | अंक-6 | कुल पृष्ठ:4 | एक प्रति मूल्य:10 रू.
जोधपुर, शुक्रवार 1 मार्च, 2024 | वार्षिक शुल्क:100रू.
मासिक समाचार पत्रिका
सम्पादक - सुनील शर्मा (BCA)
सह सम्पादक-ओमप्रकाश चौहान (M.sc)

बछड़ी के ANUS (गुदा मार्ग) का किया ऑपरेशन

1.

2.

3.

1.नारसिंह भाटी पुत्र सावतसिंह, ग्राम नांदिया कल्ला, तह.बावड़ी, जोधपुर वालों के एक घरेलु गोमाता ने एक बछड़ी को जन्म दिया जो कि एनोरेक्टल मैलफॉर्मेशन (गुदा मार्ग बन्द) से पीड़ित थी उसको उपचार हेतु अपने नीजी वाहन द्वारा रात्रि में विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर में लेकर आये। 2.मुख्य चिकित्सा प्रभारी डॉ.नागेन्द्रसिंह राठौड़ के निर्देश अनुसार रात्रिकालीन अनुभवी मेडिकल टीम द्वारा बछड़ी का ऑपरेशन किया गया। 3.ऑपरेशन पश्चात् आराम से खड़ी बछड़ी। ज्ञात रहे बछड़ी को उच्च गुणवतायुक्त पौष्टिक आहार व दवाईयां देने से जल्द ही स्वस्थ हो जायेगी। एनोरेक्टल विकृति एक ऐसी स्थिति है जिसमें विकासशील भ्रूण का मलाशय और गुदा जन्म से पहले ठीक से नहीं बनता है।

ऑपरेशन कर जीवित बछड़े को निकाला बाहर

1.

2.

3.

1.जालमसिंह सोलंकी (राजपुत) पुत्र रूपसिंह, तिंवरी, जोधपुर वालों ने अपने नीजी वाहन द्वारा विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर में उपचार हेतु लेकर आये। 2.गो चिकित्सालय में मुख्य चिकित्सा प्रभारी डॉ. नागेन्द्रसिंहजी राठौड़ के नेतृत्व में गोमाता का अनुभवी मेडिकल टीम ऑपरेशन करके स्वस्थ बछड़े को बाहर निकालकर गोमाता को जीवनदान दिया गया। 3.ऑपरेशन के पश्चात् आराम से खड़ी गोमाता। ज्ञात रहे गोमाता को उच्च गुणवतायुक्त पौष्टिक आहार व दवाईयां देने से कुछ ही दिनो में मिलेगी अच्छी राहत।

देवभूमि भारत के इतिहास में न पहले थी न वर्तमान में है ऐसी 18 एम्बुलेन्सों की सेवा-यही हमारा ऐतिहासिक कार्य

सूर्य उदय होते ही एम्बुलेन्स सेवा होती है चालू लावारिस दुर्घटनाग्रस्त व बीमार गोवंश की सूचना हेतु मोबाईल सेवा (फोन सेवा) सूर्य उदय से सूर्य अस्त तक रहती हैं, 18 एम्बुलेंसों की सेवा सूर्य उदय होते ही गो सेवार्थ पावन पुनित कार्य के लिए निकल जाती हैं एवं दिन में एम्बुलेंस कम पड़ने पर किराये का वाहन भेजकर विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय अपना दायित्व पूर्ण करता है। जो एम्बुलेंस दिन में दूसरी बार जाती हैं वह रात्रि तक पहुंचती है और रात्रि में ही उस बीमार गोवंश की चिकित्सा की जाती हैं, चिकित्सा सेवा 24 घण्टे विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय नागौर व जोधपुर शाखा में चालू रहती हैं।

अनुभवी चिकित्सकों के अथक प्रयासों तथा उच्च गुणवत्ता युक्त दवाईयों से उच्च स्तरीय चिकित्सा सेवा

विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय में इंसानों की भांति होती है 24 घण्टे निरन्तर गो चिकित्सा सेवा

विस्फोटक पदार्थ से बछड़ी का बिखरा जबड़ा, मेडिकल टीम ने उपचार कर पहुंचाई राहत

1.जोधपुर जिले की तह.औसियां के माताजी मन्दिर रोड़ के पास एक घरेलु बछड़ी का विस्फोटक पदार्थ खाने से मुँह का जबड़ा बुरी तरह से बिखर गया और गंभीर रूप से घायल हो गई। स्थानीय गोभक्त हुकमीचन्द बारडे (खत्री) पुत्र बद्रीनारायण बछड़ी को उपचार हेतु निजी वाहन से विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर लेकर आये 2.गंभीर रूप से घायल बछड़ी को वाहन से उतारकर गो चिकित्सालय की अनुभवी मेडिकल टीम ने मुख्य चिकित्सा प्रभारी डॉ.एन.एस.राठौड़ के नेतृत्व में उपचार किया और बछड़ी को राहत पहुंचाई। 3.उपचार के पश्चात् खड़ी बछड़ी। ज्ञात रहे बछड़ी को उच्च गुणवतायुक्त पौष्टिक आहार, ग्लूकोज व दवाईयां देने से बहुत जल्दी ही अच्छी राहत मिलेगी।

आपसी लड़ाई में आया साण्ड का रुमन बाहर

जोधपुर जिले की तह.औसियां के ग्राम खेतासर में चैनाराम धीर (सुथार) पुत्र स्व. बिरभाराम सुथार ने एक साण्ड जिसका आपसी लड़ाई में रूमन बाहर आ गया जिसे एम्बुलेंस द्वारा विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर में उपचार हेतु पहुंचाया। गो चिकित्सालय में मुख्य चिकित्सा प्रभारी डॉ.नागेन्द्रसिंह राठौड़ के नेतृत्व में साण्ड का अनुभवी मेडिकल टीम उपचार करके साण्ड देवता को जीवनदान दिया गया। ज्ञात रहे साण्ड को उच्च गुणवतायुक्त पौष्टिक आहार व दवाईयां देने से कुछ ही दिनों में मिलेगी अच्छी राहन।

अन्य गौशालाओं से आते है बीमार गोवंश

श्री राधे कृष्णा गौशाला सेवा संस्थान, रोहिट,जिला पाली वालों ने एक गोमाता जो कि उठने में असमर्थ थी एवं चलने-फिरने की स्थिति में नहीं थी उसको उपचार हेतु अपने नीजी वाहन द्वारा विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर में पहुंचाया। मुख्य चिकित्सा प्रभारी डॉ.नागेन्द्रसिंह राठौड़ के नेतृत्व में गोमाता का उपचार करती हुई अनुभवी मेडिकल टीम। उपचार के पश्चात् आराम से मशीन में खड़ी गोमाता (गोमाता के पैर दबाते हुए मेडिकल कम्पाउण्डर)।

कैंसर से पीड़ित गोमाता का किया उपचार

मानसागर,डांवरा, तह. बावड़ी, जोधपुर से एक घरेलु गोमाता जिसका एक सींग खराब था उसको गोपाराम माचरा (जाट) पुत्र राजुराम ने उपचार हेतु अपने निजी वाहन द्वारा विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर में लेकर आये। मुख्य चिकित्सा प्रभारी डॉ.नागेन्द्रसिंह राठौड़ के नेतृत्व में गोमाता का अनुभवी मेडिकल टीम द्वारा उपचार किया गया। इस प्रकार विभिन्न बिमारियों से पीड़ित व दुर्घटनाग्रस्त अनेक गोवंश उपचार हेतु प्रतिदिन आते है।

गो चिकित्सालय में पैर फैक्चर बछड़े का किया ईलाज

जुगाराम सांखला पुत्र गेनाराम, ग्राम बालेसर, तह.शेरगढ़, जिला जोधपुर वालों ने एक निराश्रित बछड़ा जिसका पिछे का एक पैर फैक्चर था एवं बछड़े को चलने में दिक्कत आ रही थी उसको उपचार हेतु एम्बुलेंस द्वारा विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर में पहुंचाया। मुख्य चिकित्सा प्रभारी डॉ.नागेन्द्रसिंह राठौड़ के नेतृत्व में अनुभवी मेडिकल टीम द्वारा बछड़े का प्लास्टर किया गया। ज्ञात रहे बछड़े को उच्च गुणवतायुक्त पौष्टिक आहार व दवाईयां देने से मिलेगी अच्छी राहत।

लिंग इन्फेक्शन से पीड़ित साण्ड का हुआ उपचार

महेन्द्र गोचल (दर्जी) पुत्र नेजाराम, कुड़ी हाऊसिंग बोर्ड, जोधपुर द्वारा एक लावारिस साण्ड जिसका पेनिस (लिंग) खराब (इन्फेक्शन) होने पर अपने निजी वाहन द्वारा उपचार हेतु विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर में लेकर आये। साण्ड का मुख्य चिकित्सा प्रभारी डॉ.नागेन्द्रसिंह राठौड़ के नेतृत्व में ऑपरेशन करती हुई गो चिकित्सालय की अनुभवी मेडिकल टीम। ज्ञात रहे साण्ड को उच्च गुणवतायुक्त पौष्टिक आहार व दवाईयां देने व चिकित्सा करने से कुछ ही दिनों में मिलेगी अच्छी राहत।

कुत्तो के काटने से घायल बछड़ी का किया ईलाज

जोधपुर जिले की तह.बावड़ी के ग्राम सुरपुरा में आवारा कुत्तों ने एक निराश्रित बछड़ी को नोचने, एक कान को काटने से घाव हो गया सूचना मिलने पर गोभक्त जीतु गुगड़वाल (जाट) पुत्र जगदीश ने उसको उपचार हेतु एम्बुलेंस द्वारा गो चिकित्सालय भेजा। मुख्य चिकित्सा प्रभारी डॉ.नागेन्द्रसिंह राठौड़ के नेतृत्व में बछड़ी का उपचार करती हुई अनुभवी मेडिकल टीम।

बछड़ी के पड़े किड़े, निकालकर दिया जीवनदान

पप्पूसिंहराठौड़ (राजपुत) पुत्र राणसिंह, ग्राम राबड़ियावास, तह.लूणी, जोधपुर वालों ने एक निराश्रित बछड़ी जिसके पैर के ऊपर घाव होने से कीड़े पड़ गये थे उसको उपचार हेतु अपने नीजी वाहन द्वारा विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर में पहुंचाया। गो चिकित्सालय में मुख्य चिकित्सा प्रभारी डॉ.नागेन्द्रसिंह राठौड़ के नेतृत्व में अनुभवी मेडिकल टीम बछड़ी का उपचार करती हुई।

बीमार राष्ट्रीय पक्षी मोर का उपचार कर पहुंचाई राहत

धीरेन्द्र रेगर पुत्र मोतीलाल, 428 आर्मी एरिया, जोधपुर वालो ने एक मोर जो अस्वथ अवस्था में था उसको उपचार हेतु अपने नीजी वाहन द्वारा विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर में लेकर आये। बीमार राष्ट्रीय पक्षी मोर का उपचार करती हुए अनुभवी मेडिकल टीम। ज्ञात रहे गो चिकित्सालय में वन्यजीवों को वन विभाग व वन्यजीव प्रेमी ही लेकर आते है इन घायल वन्यजीवों को कड़ी मेहनत व उच्च क्वालिटी की दवाईयाँ द्वारा उपचार किया जाता है व मानव बच्चों की तरह देखभाल की जाती है, पूर्णतया स्वस्थ होने के बाद इन वन्यजीवों को स्वविचरण हेतु छोड़ दिया जाता है।

इंसानों के विश्व स्तरीय चिकित्सालय भारत में सैकड़ों मिल जायेगें लेकिन गोवंश हितार्थ विश्व स्तरीय व राष्ट्रीय स्तरीय गो चिकित्सालय चार-पांच ही मिलेंगे कारण इन्हें संचालन करने में कठोर

प्रतिदिन 24 कढ़ाईयों के अन्दर लगभग 8 टन बांटा दिया जाता है

प्रतिदिन पीड़ाग्रस्त गोमाता को मौसम अनुसार पौष्टिक आहार स्वरूप 24 कढ़ाईयों के अन्दर लगभग 8 टन (आठ हजार किलो) बांटा (दलिया) पकाकर दिया जाता है। इसके अन्दर मिनरल पाउडर जिसके अन्दर कैल्शियम, कॉपर, कोबाल्ट, मैग्नेशियम, खनिज लवण व विटामिन होते है। जिसे गोवंश को वजन के अनुसार बांटे में डालकर खिलाया जाता है। जिससे गोवंश को मिनरल की कमी न हो और साथ ही गोवंश स्वस्थ व तन्दुरस्त रहे।

विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर में गोभक्त बाबुलाल जी पुत्र श्री लाखाराम जी बिश्नोई, ग्राम मेघावा, पो. विरावा, तह. चितलवाना, जिला जालौर वालों ने अपने 49वें जन्मोत्सव पर पीड़ित, गोवंश हितार्थ 10 कढ़ाई दलिया बनवाया, 5 पीपा मूंगफली तेल एवं 1100 रूपये का हरा चारा (रिजगा) डलवाकर पुण्य लाभ प्राप्त किया, आप श्री भी ले प्रेरणा।

विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय में पीड़ाग्रस्त गोवंश के हित को देखते हुए चिकित्सकों के सलाह के अनुसार उच्च क्वालिटी का चारा (ज्वार की कुतर, बाजरी की कुतर) ही दिया जाता है। इस चारे को चारा मशीन द्वारा छाणकर गोवंश को दिया जाता है इस दौरान छाणते वक्त कंकर या अन्य वस्तु को भी हटाया जाता है। चारा मशीन से जब चारा छाणा जाता है तो बिलकुल बारिक मिट्टी एवं गुदी अलग ही निकलती है यह मिट्टी व गुदी बीमार गोवंश के लिए नुकसान दायक रहती है।

विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय में विशालतम् बांटा गोदाम 55x35 फिट बड़ा, जिसमें सैंकड़ों टन खाद्य सामग्री को रखा जाता है, ज्ञात रहे उसी अनुसार वापस बड़ी मात्रा में प्रतिदिन 8 टन (8 हजार किलो) 24 कढ़ाईयों में खाद्य सामग्री लगती है, यहाँ बीमार एवं दुर्घटनाग्रस्त गोवंश की हो रही चिकित्सा-सेवा से प्रभावित होकर अपने गाँव/शहर के गोभक्त मिलकर खल, गुड़, चुरी, जौ, लापसी हेतु गेहुं का बाट, बाजरी का दलिया, चापड़ इत्यादि गो खाद्य सामग्री भेजना चाहते है तो गो चिकित्सालय में सूचना करें ताकि किराये का वाहन भेज कर खाद्य सामग्री मंगवा ली जायेगी। **सम्पर्क- 8696946644**

सेवा से प्रभावित होकर गोभक्त बनवाते है पीड़ित गोवंश हितार्थ पौष्टिक आहार

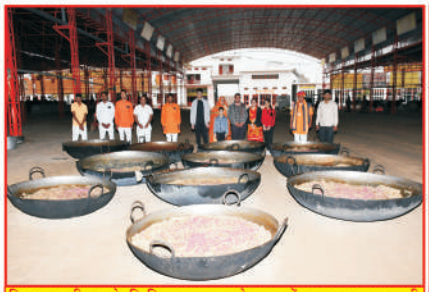

विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर में स्व.मुकनाराम जी खिलेरी की प्रथम पुण्यतिथि पर उनके पुत्र हरिरामजी व परिवारजन द्वारा 10 कढ़ाई लापसी बनवाकर पीड़ित गोवंश से आशीर्वाद लिया, आप श्री का समय-समय पर अच्छा सहयोग रहता है।

विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर में बी.जे.एस.गो सेवा समिति, जोधपुर वालों द्वारा 8 कढ़ाई दलिया द्वारा बनवाकर पुण्य प्राप्त किया, पश्चात् गो चिकित्सालय में परिक्रमा कर घर में सुख, शांति व लक्ष्मी की वृद्धि हेतु कामना की।

श्री गुरू चरणम् सेवा समिति, मण्डोर, जोधपुर वालों द्वारा 2 कढ़ाई लापसी बनवायी आप श्री द्वारा प्रत्येक शनिवार को पीड़ित गोवंश हितार्थ पौष्टिक आहार बनवाया जाता है।

ओमप्रकाशजी सुथार पुत्र श्री खेतारामजी, पावटा सी.रोड़, जोधपुर वालो ने पीड़ित गोवंश हितार्थ 2 कढ़ाई बनवाकर पुण्य प्राप्त किया।

मानव टाक के तीसरे जन्मदिन पर उनके दादाजी थानारामजी टाक, मथानियां, जोधपुर वालों ने पीड़ित गोवंश हितार्थ 3 कढ़ाई दलिया बनवाया।

गोभक्त प्रेमसिंह जी सोलंकी की सुपौत्री दक्षिता सोलंकी के 15 वें जन्मदिन पर 1 कढ़ाई लापसी, 500रू का हरा चारा व एक गाड़ी हरी सब्जी भेंट की।

पीड़ित गोवंश हितार्थ किया सुखा चारा भेंट

विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर में हिन्दु लखारा समाज (श्री बाबा रामदेव सेवा समिति), जोधपुर वालों द्वारा 30 मण चिपटा कुत्तर (सुखा चारा) भेंट की। आप श्री द्वारा प्रत्येक अमावस्या को पीड़ित गोवंश हितार्थ सुखा चारा लाया जाता है।

गोभक्तों ने करवाया सातधान से तुलादान

1.

2.

1.रामसुखजी सविता, जोधपुर वालों ने द्वारा सातधान से तुलादान करवाया गया 2. घीसी देवी मेघवाल , जोधपुर वालों ने सातधान से तुलादान करवाकर पुण्य प्राप्त किया। ज्ञात रहे हिन्दु धर्म ग्रंथों में गौमाता के लिए तुलादान करने के महत्व के बारे में बताया गया है। मनुष्य को अपने जीवन में एक बार तुलादान अवश्य करवाना चाहिए। इसके करने से मनुष्य के सभी ग्रह शांत होते है और मरणासन्न अवस्था में सुखपूर्वक एवं शीघ्र प्राण निकल जाएं, इस उद्देश्य से तुलादान करना चाहिए। तुलादान वही मान्य है जिसमें एक ओर व्यक्ति तराजु की तोल पर बैठता है और दूसरी और गौ खाद्य सामग्री, सिक्कें इत्यादि तोल पर रखे जाते है।

सेवा से प्रभावित होकर गोभक्त करते है पीड़ित गोवंश हितार्थ अच्छा सहयोग

विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, जोधपुर में 1.मुकेशजी शर्मा पुत्र श्री नन्दकिशोर जी एम आर मोबाई,जोधपुर वालों ने दानपात्र द्वारा 18 हजार 221 रू. का सहयोग 2.तारा देवी पुत्री श्री सालगरामजी सांखला, मण्डोर, जोधपुर वालों द्वारा16 हजार 100रू. मेडिकल दवाइयों हेतु सहयोग 3.पुनारामजी टाक (सोजत वाले) पुत्र श्री गुल जी टाक, जोधपुर वालों द्वारा 11 हजार रू.का सहयोग 4.दुर्गालालजी नायक पुत्र श्री प्रहलादजी नायक, अजमेर वालों ने गोवंश हितार्थ मेडिकल दवाईयों हेतु 10 हजार रू. का सहयोग किया। पश्चात् गो चिकित्सालय में परिक्रमा कर घर में सुख,शांति,समृद्धि व लक्ष्मी की वृद्धि हेतु कामना की।

5000 कम्पाउण्डर तैयार कर राष्ट्र व गौमाता हेतु करेंगे समर्पित–महामण्डलेश्वर

विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय, ग्राम रलावास, जिला जोधपुर में चिकित्सा का प्रशिक्षण लेने हेतु आये डिप्लोमाधारी नवरत्नसिंह भाटी पुत्र श्री मदनसिंहजी भाटी, ग्राम चण्डालिया, तह.तिंवरी, जोधपुर वालों ने 3 माह का प्रशिक्षण पूर्ण होने पर मुख्य चिकित्सा प्रभारी **डॉ.नागेन्द्रसिंह राठौड़** से प्रशस्ति-पत्र प्राप्त करते हुए। ज्ञात रहे गो चिकित्सालय में कम्पाउण्डरों को बड़े से बड़े ऑपरेशन करना, एक्स-रे मशीन पर एक्स-रे करना, हाइड्रोलिक मशीन से गोवंश को एक स्थान से दुसरे स्थान पर ले जाना, विभिन्न प्रकार के चार्टों द्वारा अलग-अलग नस्लों के गोवंश की जानकारी प्राप्त करना, प्राथमिक चिकित्सा, अनुसंधान केन्द्र द्वारा गोवंश के अंगो की बारीकी से जानकारी प्राप्त करना, सुक्ष्मदर्शी यंत्र द्वारा रोगो की जाँच, ऑटोक्लेव मशीन द्वारा ऑपरेशन के औजारों को नि:संक्रमित करना, वेक्यूम मशीन द्वारा बछड़ों का श्लेष्म स्त्राव निकालना, गोवंश के रोगों की जाँच हेतु लेबोरेट्री सेम्पल भरना एवं कई कम्पाउण्डर नये- नये क्रियाक्लाप करके चिकित्सा क्षेत्र में कई प्रकार के इतिहास रच रहे है, यह एक पंथ अनेक काज कर रहे है। 3 माह के प्रशिक्षण के अलावा यात्रियों को निरीक्षण करवाना, फॉर व्हीलर चलाना, कैमरा चलाना, विडियों सुटिंग, कम्प्यूटर, सत्संग के माध्यम से संस्कार देना इत्यादि कार्यों का प्रशिक्षण देकर इन कांच के टुकड़ों को बेशकिमती नगीना बनाया जाता है, तब इन बेशकिमती नगीनों को भारत की गौशालाएं 20 से 25 हजार रूपयें वेतन और सुविधाएं देती है, कुछ फिल्ड में कार्य कर 20 से 25 हजार रूपयें महीना कमा लेते है। अब तक तैयार हुए 2450 कम्पाउण्डर अपने गाँव/शहर में प्रतिदिन हजारों लावारिस, घरेलु व गौशालाओं के गोवंश की चिकित्सा सेवा कर रहे है। नोट-देश के गो चिकित्सालय या गौशाला में डिग्रीधारी पशु कम्पाउण्डर है, लेकिन समय पर पीड़ित गोवंश का उपचार नहीं करते हैं, ड्यूटी के समय नशा करते हैं, समय पर आते नहीं हैं, आप उनसे परेशान हो चुके है, तो आप अपने क्षेत्र में इन विदाई ले चुके कम्पाउण्डरों से सम्पर्क कर सकते है-नवरत्नसिंह भाटी, मो.6367163836

संस्था का क्यू आर कोड स्केन कर गोदान कर सकते हैं

Scan here to pay

BHIM UPI Paytm MasterCard VISA

SHRI KRISHAN GOPAL GAU SEVA SAMITI

किसी भी स्मार्ट फोन की एप्लीकेशन जैसे-गुगलपे, फोन पे, पेटीएम से श्री कृष्ण गोपाल गो सेवा समिति का क्यू.आर.कोड स्केन करके आप गोवंश हितार्थ सहयोग कर पुण्य के भागी बने, ऑनलाईन सहयोग कर रसीद प्राप्ति हेतु सम्पर्क करे- 8696946644

भारत में ऐसी बड़े स्तर पर अद्भुत सेवाएं अन्यत्र कहीं नही

1. विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय में लावारिस दुर्घनाग्रस्त गोवंश को लाने हेतु 18 पशु एम्बुलेन्स की व्यवस्था की गई है। 2. जिस स्थान से दुर्घटनाग्रस्त गोवंश लाये जाते हैं स्वस्थ होने के पश्चात् गोवंश को पुनः उसी स्थान पर छोड़ दिया जाता है। 3. मालिक अपने घरेलु बीमार गोवंश लेकर आता है तो उनको एक बीमार गोवंश के बदले में एक स्वस्थ गोवंश वापस दिया जाता है अगर वो स्वस्थ गोवंश नही लेते है तो उन्हे 3500 रू. की रसीद कटवानी पड़ेगी।4. गौशालाओं से एक बीमार गोवंश लेकर आते है तो उनको भी एक बीमार के बदले में एक स्वस्थ गोवंश दिया जाता है।5. निजी वाहन एवं पुलिस प्रशासन के वाहन द्वारा आते हैं, ऐसे वन्य जीवों को लिया जाता है।6. वन्य जीवों को स्वस्थ होने पर गो चिकित्सालय वन विभाग को सुपुर्द कर देता है।7. गो चिकित्सालय में स्वस्थ गोवंश एवं दूध देने वाली गायों को नहीं रखा जाता और ना ही लिया जाता है। 8. जो स्थान एम्बुलेंस क्षेत्र की परिधि से बाहर है, ऐसे स्थान पर लावारिस गोवंश दुर्घटनाग्रस्त हो गया हो, तो वहां के संस्था से जुड़े दानपात्र सदस्य किराये का वाहन कर घायल गोवंश को गो चिकित्सालय में भिजवा दें, वाहन किराया में कुछ राशि कम रहती है उस राशि का भुगतान गो चिकित्सालय द्वारा कर दिया जायेगा। 9.रात्रि में कोई लावारिस गोवंश दुर्घटनाग्रस्त हो गया है,जो संस्था से जुड़े हुए है वह किराये का वाहन कर दुर्घटनाग्रस्त गोवंश को गो चिकित्सालय में भिजवा दें, किराये में कुछ राशि कम रहती है, तो उस राशि का भुगतान कर दिया जायेगा।

गोभक्त अपनी नेक कमाई में से पीड़ाग्रस्त गोवंश हेतु प्रतिदिन श्रद्धानुसार गो दान कर अपने धन की शुद्धिकरण करना चाहते है तो उनसे निवेदन है कि आप अपने प्रतिष्ठान एवं घर पर स्टील का दान पात्र व बड़े प्रतिष्ठान पर वी.आई.पी.दानपात्र लगवा सकते है। इस गोदान से मरते हुए गोवंश को नया जीवन दान मिलता है तो उस गोवंश के जितने रोम होते है उतने वर्षों तक दानदाता स्वर्ग की प्राप्ति करता है दानपात्र लगवाने हेतु सम्पर्क करें- **8696946698**

श्रीकृष्ण गोपाल गोसेवा समिति

(विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय)

जोधपुर रोड़, नागौर (राज.)

शाखा :जयपुर-पाली बाईपास ग्राम रलावास (जोधपुर)

www.gaulokmahatirth.com e-mail : jd.shrikrishangausevasimiti@gmail.com

एम्बुलेन्स नं.- 8696943714 गौ दान पात्र नं.- 8696946698

सहयोग के प्रकार–1.एक बीघा जमीन का भाव-2600000 रूपयें, 2. बड़ा चारा गोदाम-1200000 रू., 3. बीमार गोवंश की दवाईयां प्रतिमाह- 900000 रू., एक दिन की दवाईयां-30000 रू., 4. एक माह का पौष्टिक आहार-750000 रू., एक दिन का- 25000 रूपयें, एक कढ़ाई दलिया (पौष्टिक आहार)-2100/- रू. 5. एक दिन की लापसी-51000 रू. एक कढ़ाई लापसी-5100/- रू., 6.ट्रेक्टर-650000 रू., 7. पशु एम्बुलेन्स (बुलेरो माईक्रो हाईब्रेड)-700000 रू., 8.विश्व स्तरीय गो चिकित्सालय का एक दिन का खर्च पाँच लाख रू., 9. बांटा स्थली टीन शेड (18 X 90) -2,25000/-रू., 10. साधु, साध्वियों, यात्रियों हेतु कमरा (20X14)-2,25,000/-11. घायल वन्यजीवों हेतु लोहे का पिंजरा-40,000/ रूपयें, 12. एक घायल गौमाता का ऑपरेशन+चिकित्सा -25,000/- रू., 13. एक गौमाता की चिकित्सा - 11000 रू. 14.गौमाता हेतु एक दिन का सुखा चारा-31,000/- रू. 15.गौमाता हेतु एक दिन का हरा चारा -21000 /- रू. 16.अनाथ बछड़े हेतु झूला-75000/-रू. 17.गौमाता हेतु अंडरग्राउण्ड रैम्प-35,000/-रू. 18.गौमाता हेतु एक सीमेंट की ठाण-30000/-रू. 19.गौमाता हेतु पानी की खेली-21000/- रू.

Shri Krishan Gopal Gau Seva Samiti, Jodhpur
ICICI A/c No. 683001700585, Ifsc Code. ICIC0006830
SBI A/c No. 41515647040, Ifsc Code. SBIN0051092

SHREE KRISHANA GOPAL GOUSEVA SAMITI, NAGAUR
AXIS A/c No. 912010003522032, IFSC Code -UTIB0001384
SBI A/c No. 61063361017, IFSC Code - SBIN0031528
UNION A/c No. 592401010050102, IFSC Code-UBIN0559245

भारत का दूसरा बड़ा गो चिकित्सालय गुजरात में, तीसरा बड़ा जोधपुर में, चौथा बड़ा महाराष्ट्र में लेकिन एम्बुलेन्स इनके पास दो या तीन ही है कारण एम्बुलेन्स व्यवस्था चलाना अत्यन्त कठिन है...

स्वामी एवं प्रकाशक अर्जुनसिंह राठौड़ के लिए मुद्रक गिरधारीराम द्वारा चौधरी प्रिंटर्स, किले की ढाल,नागौर से मुद्रित एवं मासिक हिन्दी समाचार-पत्र कामधेनु दर्शन, श्रीकृष्ण गोपाल गो सेवा समिति,एन.एच. 62, जोधपुर रोड़ नागौर (राज.) से प्रकाशित। सम्पादक-अर्जुनसिंह राठौड़